

MAHARAJA AGRASEN INSTITUTE OF TECHNOLOGY

(ISO:9001:2015 Certified)

Approved by AICTE, Ministry of HRD, Govt. of India

(Affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University, Delhi)

Department of Management

Report on

Orientation: 'The Connect' 2023,15th September 2023

MBA (2023-25) & BBA (2023-26)



Venue: Main Auditorium

Participants: MBA 1st year (2023-25), BBA 1st year (2023-26), B.Tech All dept. 1st Year

Date: 15th September, 2023

Time: 11:00 am onwards

Faculty Coordinator from Dept. Of Management: Dr. Anju Bharti & Dr. Sangeeta Rawal

Maharaja Agrasen Institute of Technology (MAIT) organized an Orientation Programme "Connect -2023" for the incoming first-year students of MBA, BBA and B-Tech under the guidance and blessings of Dr. Nand Kishore Garg, Founder-Chairman, MATES and Shri Vineet Kumar Lohia, Chairman, MATES. The event was a splendid manifestation of the MATES' voice and vision.

The programme commenced with the lighting of the lamp by Shri S.P. Goel (Vice-Chairman, MATES), Shri Jagdish Mittal (Vice-Chairman, MATES), Shri Gyanendra Srivastava (CEO, MATES), Shri Rajnish Gupta (Secretary, MATES), Prof S.K. Garg (Director-General, MAIMS) Prof. Dr. Neelam Sharma (Director, MAIT). Prof. Dr. S.S. Deswal (Dean, Academics), Prof. Dr. Rajni Malhotra Dhingra (Director, MAIMS) with HoDs of different departments of MAIT. This was followed by the enchanting Saraswati Vandana, invoking the blessings of the goddess of wisdom. To promote a sense of calm and unity among the crowd, a beautiful rendition of the 'Kulgeet' was performed. The heartfelt performance set the stage for an engaging and informative session.

Proceeding, Professor Dr. Neelam Sharma, the esteemed Director of MAIT, extended a warm welcome to the fresh faces, emphasizing the Institution's commitment to nurturing young minds and fostering holistic development. Her words of encouragement and guidance set a positive tone for the day. Shri Gyanendra Srivastava, CEO of the MATES, took the stage to share the Institution's vision and mission. He emphasized the pivotal role of innovation and discipline in education, setting the bar high for academic excellence. All the dignitaries present also encouraged the freshman year students, underlining the importance of co-curricular activities. They reaffirmed the students that the institute will provide them with a supportive platform to explore their passions.

A dynamic power-point presentation by the final year MBA students were presented for the first year students which offered students a comprehensive visual overview of the Institution's impressive track record, diverse academic programs, and state-of-the-art campus facilities. It also showcased the vibrant academic-cum-cultural societies, inviting students to explore their interests beyond academics.

A special segment highlighted the National Cadet Corps (NCC) and National Service Scheme (NSS), emphasizing the importance of community service, collaboration and leadership. The section highlighted how such qualities are essential for personal and professional skill building.

The event was a conglomeration of cultural and artistic talent. Affinity, the lead band of MAIT, mesmerized the audience with a captivating group performance. This was followed by stunning dance performances by the talented members of Funk-in-Motion, Official Dance Society of MAIT.

The session concluded with a heartfelt vote of thanks, acknowledging the dignitaries, dedicated faculty members, and enthusiastic students for their participation and patience. It reaffirmed the Institution's unwavering commitment to guiding and supporting its students throughout their academic journey, promising a bright and successful future for all.







मेट्स कनेक्ट-2023 का आयोजन

महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रथम वर्ष छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम





रोडिशीस महाराजा अहलेन इंस्टीट्यूट टेक्नोल्डाको ने बेट्स के प्रश्नापक कारका डॉ. नंत्रीकारीत ार्ग, अध्यक्ष दिनीत कुमार लेकिया के मार्गदर्शन में नव रीव्यम्ब पत्र 2022-24 पर अपन वर्ष क्षात्रों के लिए एक ओरिटियन प्रेशम 'फनेक्ट- 2023' का आवेजन किया। ओलिटिना प्राप्तम की शुरूआत मनमेतक चलको बंदन से हुई, जिसमें तान की देखें के आशीर्वार का आक्रम किया नहां। इस देशन संस्थान के 'कुल्पीरा'

का आहुत जिन्द स्था हुन दरान स्वयं के पुत्रावा की एक होता प्रात्तु के मीं द्वा आ कार्य हुनाते रहन आवर्षक और आस्क्रारेश्यों नह के तिरायं के निवास किया। सर के देशन प्रतिक्रमा औं, नीनमानवाने ना प्रतासी का स्वात देशन की सहाता देने के लिए स्वात्ता की समा विकास की सहाता देने के लिए स्वात्ता की प्रतिक्रमा पर और जिला आसाता आसीर टेनिकाल प्रतिक्रम परिवार के सीची अनी सीचालक में सीकार के प्रीक्षांण और मिनल को नाहा करने के लिए मंत्र प्रांचतने हुए रोक्षांच्या उत्कृतन के तेतर सानव स्थापित करते हुए लिख में नाहायत और अनुस्ताम की महत्वपूर्ण चूरिका पर और लिख। इस अध्यार पर उपनिश्व सामी सानों ने सा-पातुषपार्य संबंधी गोतीविपयों के महत्त्व

को रेखाँकित करते हुए प्रथम वर्ष के वहाँ। को प्रीम्पतित यो किया। उन्होंने वालें को आस्पता किया कि संस्थान उन्हें अपने कुनून का पात लागने के लिए एक शहायक गाँध

इसके बाद एक पास-प्यार्ट प्रेमेटेकर दिया गया, जिल्लों क्षत्रों की संस्थान के प्रधानताओं हैक रिकॉर्ड,

विरोध वीधीयक कार्यक्रमें और अल्लापुरिक विरोध द्वीयात्राची का समाप्त समय आवश्यान प्राप्त विकास गाहर बार्गक्रम में राष्ट्रीय केटेर कीर (एसमोपी) और राष्ट्रीय रेका चैताव (पारावाहर) पर प्रकार तथा एक, जिसमें सामुद्राधिक सेन्स, सहयोग और नेतृत्व के महत्त्व पर और विकासका

यह उपयोजन संस्कृतिक और करात्रणक प्रीप्ताओं का ग्रांगा था। व्याराज्य आउनेत प्रश्नीरपूर्ण कीं रेजनेतार्थी के प्रमुख में त प्रतिन्दी में नालेक्क माह प्रतांत से तर्ताओं को पंत्रपुत्त का दिवा प्रश्ने का संस्थापक अवसन प्रदेशपूत्र और देवनेतार्थी की संस्थापक अवसन प्रदेशपुत्र कोंक देवनेतार्थी की संस्थापकार्थी करती का प्रतांत्र का स्थापनी के यो प्रतांत्र का प्रसांत्र का प्रतांत्र का स्थापनी के यो प्रतांत्र का प्रसांत्र का प्रतांत्र का प्रमुख देवा का का प्रसांत्र कीं का प्रतांत्र कीं कीं की वितां स्थापनी का प्रसां के प्रतांत्र कीं कीं कीं कीं स्थापन प्रतांत्र का प्रतांत्र कीं कीं की कीं प्रसांत्र कीं कीं प्रसांत्र कीं कीं की कीं प्रसांत्र कीं प्रतांत्र कीं कीं कीं की स्थापन कीं प्रितांत्र पत्रांत्र के देवान परितांत्र की स्थापन देने के किंग्रिय पत्रांत्र के दीन परितांत्र की स्थापन देने के

तित्त संगम्भव की अपूर प्रतिकदात की पूर्व की। कार्यकर्ष में एस थी, संघल, जनदीन निराल, जन्देद बीकासक, रजरीन नृत्त, 'प्रे. एस.के. पर्ने, 'श्री. योज्य सकी, डॉ. एस.एस. देशकान, 'श्री. रजनी करतेन दीना स्त्रीत अन्य गणवाना अतिथि उपस्थित स्त्री ।



